नया इंडिया

खेल

सार समाचार

बांग्लादेश को हराकर श्रीलंका की महिला टीम ने सीरीज में बराबरी की

राजशाही,वार्ता। कप्तान चामरी अटापट्टू (तीन विकेट और 40 रन), हर्षिता समरविक्रमा (50) और हंसिमा करुणरत्ने (40) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत श्रीलंका की महिला टीम ने बुधवार को दूसरे एक दिवसीय मुकाबले में बंगलादेश को 70 गेंदों शेष रहते चार विकेट से हरा दिया। इसी के साथ श्रीलंका ने तीन मैचों की सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली है। चामरी अटापट्टू को उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार मिला। यहां बंगलादेश की महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। कप्तान चामरी अटापट्टू की अगुवाई में श्रीलंकाई गेंदबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए बंगलादेश की पूरी टीम को 45 .5 ओवरों में 165 रन के स्कोर पर समेट दिया। कप्तान निगार सुल्ताना ने सर्वाधिक 58 रनों की पारी खेली। सरमिन सुल्ताना ने (25), नाहिदा अख्तर ने (20), रितु मोनी ने (17), शोर्ना अख्तर (16) और राबिया खान ने (15) रनों का योगदान दिया। शेष बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। श्रीलंका महिला टीम की ओर से चामरी अटापट्टू ने तीन विकेट लिये। मल्की मदारा, निमाशा मीपेज और इनोका राणावीरा को दो-दो विकेट मिले।

मेजबान भारत, बांग्लादेश और मालदीव के साथ एक ही ग्रुप में

नई दिल्ली,वार्ता। बंगलादेश के ढाका में सैफ सचिवालय में हुए ड्रॉ के बाद, भारतीय महिला राष्ट्रीय टीम को सैफ महिला चैंपियनशिप 2026 के ग्रुप बी में बंगलादेश और मालदीव के साथ रखा गया है। यह टूर्नामेंट 25 मई से 6 जून, 2026 तक गोवा के मडगांव में आयोजित किया जाएगा। ग्रुप ए में नेपाल, श्रीलंका और भूटान शामिल हैं। हर ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सेमी-फ़ाइनल में जगह बनाएंगी। सैफ महिला चैंपियनशिप 2026 के सभी मैचों का आयोजन पंडित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में किया जाएगा। यह दूसरी बार होगा जब भारत सैफ महिला चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा; इससे पहले 2016 में पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में आयोजित संस्करण में 'ब्लू टाइग्रेस' ने अपना चौथा खिताब जीता था। यह दूसरी बार होगा जब गोवा किसी सैफ टूर्नामेंट की मेज़बानी करेगा। 1999 की पुरुष चैंपियनशिप भी पीजेएन स्टेडियम में ही आयोजित की गई थी, जहाँ भारत ने फ़ाइनल में बंगलादेश को हराकर खिताब जीता था। सैफ महिला चैंपियनशिप 2026 के ड्रॉ के लिए सीडिंग 21 अप्रैल को जारी की गई ताज़ा फीफा महिला विश्व रैंकिंग के अनुसार की गई थी। भारत (69वें स्थान पर) और नेपाल (87वें स्थान पर) को पॉट 1 में रखा गया। बंगलादेश (112वें स्थान पर) और श्रीलंका (162वें स्थान पर) को पॉट 2 में रखा गया। भूटान (164वें स्थान पर) और मालदीव (167वें स्थान पर) को पॉट 3 में रखा गया।

मुंबई बनाम चेन्नई के मुकाबले में धोनी और जैक्स की वापसी तय

सीएसके इस समय अंक तालिका में आठवें स्थान पर है, उसने छह मैचों में से केवल दो मैच जीते हैं।

मुंबई ■ वार्ता/डेस्क

महेंद्र सिंह धोनी और विल जैक्स गुरुवार रात वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बीच होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के बड़े मुकाबले के लिए वापसी करने को तैयार दिख रहे हैं। कल होने वाले मुकाबले धोनी की मौजूदगी संघर्ष कर रही सीएसके टीम के लिए एक बड़ा सहारा बन सकती है। 44 साल के इस अनुभवी खिलाड़ी ने मंगलवार को वानखेड़े में अभ्यास किया।

उन्होंने करीब आधे घंटे तक विकेटकीपिंग की और फिर 30 मिनट तक बिना किसी परेशानी के बल्लेबाजी का अभ्यास किया। प्री-सीजन शिविर के दौरान पिंडली में खिंचाव से उबर रहे धोनी में किसी भी तरह की परेशानी के कोई लक्षण नहीं दिखे और वह मैच के लिए पूरी तरह तैयार नजर आए। सीएसके इस समय अंक तालिका में आठवें स्थान पर है, उसने छह मैचों में से केवल दो मैच जीते हैं; ऐसे में धोनी की वापसी टीम के बल्लेबाजी क्रम को बहुत जरूरी स्थिरता और अनुभव दे सकती है। लंबे समय तक बैटिंग प्रैक्टिस और विकेटकीपिंग ड्रिल की खबरों ने इस उत्सुकता को और भी बढ़ा दिया है। चाहे यह सिर्फ़ एक प्रतीकात्मक मौजूदगी हो, कोई रणनीतिक फ़ैसला हो, या सीज़न के आखिर में एक छोटी सी झलक हो, धोनी की मौजूदगी हमेशा एक अलग ही स्तर पर काम करती है - आंकड़ों से परे, टीम में चुने जाने की बहसों से परे, और लगभग समय से भी परे।

ऐसे मुकाबलों में, वह अब सिर्फ़ एक खिलाड़ी नहीं रह जाते; वह भावनाओं का वह केंद्र बन जाते हैं, जिसके इर्द-गिर्द सारी उम्मीदें घूमती हैं। लेकिन चेन्नई के लिए, क्रिकेट की असलियत कहीं ज्यादा मुश्किल है। कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ एक मुश्किल दौर से गुज़र रहे हैं; टॉप ऑर्डर में बार-बार नाकाम होने से एक गहरी चिंता सामने आ रही है - टूर्नामेंट के इस अहम पड़ाव पर सीएसके लगातार बैटिंग की लय बनाने में नाकाम साबित हो रही है। मुद्दा सिर्फ़ 'फ़ॉर्म' का नहीं, बल्कि 'फ़्लो' (बहाव) का है। एक ऐसी टीम जो पारंपरिक रूप से स्थिरता पर टिकी रही है, अब दबाव में आकर अच्छी साझेदारियों, गति और स्पष्टता की तलाश में भटक रही है। चोटों और टीम में चुने जाने को लेकर बनी अनिश्चितता ने इस उथल-पुथल को और भी बढ़ा दिया है, जिसकी वजह से टीम में लगातार फेरबदल और नए-नए प्रयोग करने पड़ रहे हैं।

वहीं मुम्बई इंडियंस (एमआईल) की बात जाये जैक्स के लंबे समय से इंतजार हो रहे आगमन से टीम में नई ऊर्जा का संचार हुआ है। इंग्लैंड के इस ऑलराउंडर ने 2026 टी-20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया था और चार बार 'प्लेयर ऑफ द मैच' का ख़िताब जीता था। पहले छह मैच न खेल पाने के बाद वह अब टीम से जुड़ गए हैं। उन्होंने सोमवार शाम को वानखेड़े में ट्रेनिंग की और मंगलवार को रात की रोशनी में होने वाले सेशन के लिए भी लौटे, जहाँ उन्होंने बल्ले और गेंद, दोनों के साथ काफ़ी समय बिताया।

जैक्स के टीम में शामिल होने से एमआई का संतुलन मजबूत हो गया है; वह मध्यक्रम में ताकत देने के साथ-साथ ऑफ़-स्पिन गेंदबाजी का एक उपयोगी विकल्प भी देते हैं। उनकी मौजूदगी टीम मैनेजमेंट को अपने विदेशी खिलाड़ियों के संयोजन में बदलाव करने पर मजबूर कर सकती है, जिसके चलते अल्लाह गजनफर या मिचेल सैंटनर में से किसी एक को टीम से बाहर बैठना पड़ सकता है। निचले क्रम में अपनी जबर्दस्त छोटी पारियों के लिए मशहूर जैक्स, एक भरोसेमंद 'फिनिशर' के तौर पर टीम की गहराई को भी बढ़ाते हैं।

प्रीति पवार और अरुंधति चौधरी टॉप्स कोर ग्रुप में शामिल

नई दिल्ली ■ वार्ता/डेस्क

चार भारतीय मुक्केबाजों प्रीति पवार, प्रिया, अरुंधति चौधरी और सचिन को 2026 एशियाई मुक्केबाजी एलीट चैंपियनशिप में उनके शानदार प्रदर्शन के बाद टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) के कोर ग्रुप में प्रमोट किया गया है, जबकि तीन अन्य को डेवलपमेंट ग्रुप में शामिल किया गया है। 172वीं मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) की बुधवार को हुई बैठक में यह फैसला किया गया। प्रीति (54किग्रा), प्रिया (60किग्रा) और अरुंधति (70किग्रा) ने इस महीने की शुरुआत में मंगोलिया के

उलानबटार में हुई कॉन्टिनेंटल मीट में स्वर्ण पद जीता था, जबकि सचिन (60किग्रा) ने रजत पदक हासिल किया।

मिशन ओलंपिक सेल ने हाल के नतीजों, विश्व रैंकिंग और प्रदर्शन में हुई प्रगति के विस्तृत मूल्यांकन के आधार पर यह फैसला लिया। प्रीति इस साल के आखिर में होने वाले ग्लासगो में राष्ट्रमंडल खेलों और जापान में एशियाई खेलों, दोनों में हिस्सा लेंगी।

मैराथन के नाम पर लूट का खेल!

नई दिल्ली ■ राजेंद्र सजवान

रोटरडैम अंतरराष्ट्रीय मैराथन में सावन बरवाल ने वह करिश्मा कर दिखाया, जिसका इंतजार भारतीय एथलेटिक्स को पिछले 48 सालों से था। सावन ने अंततः सबसे पुराने भारतीय रिकॉर्ड को मात्र दो सेकंड से बेहतर करके 2 घंटे 11 मिनट 58 सेकंड समय में मैराथन दौड़ पूरी की और मात्र दो सेकंड के अंतर से शिवनाथ सिंह के रिकॉर्ड (02:12:00) तोड़कर 20वां स्थान प्राप्त किया। देश-विदेश में जब कभी मैराथन की बात होती है तो शिवनाथ के रिकॉर्ड की चर्चा हमेशा से होती आई है। अब चूंकि अंततः रिकॉर्ड बेहतर हुआ है इसलिए अब चर्चा का विषय सावन रहेगा। देखना यह होगा कि वह अपने रिकॉर्ड समय को कितना सुधार करता है। यह न भूलें कि उसने मात्र दो सेकंड से राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा है और कुल प्रतिस्पर्धियों में 20वें स्थान पर रहा है। सीधा सा मतलब है कि मैराथन में हम शेष विश्व के धावकों से बहुत पीछे दौड़ रहे हैं। पुरुषों का वर्ल्ड रिकॉर्ड 2 घंटे 35 सेकंड का है। अर्थात भारतीय एथलीटों को अभी लंबा सफर तय करना है। लेकिन सवाल यह पैदा होता है कि जब हमारे एथलीट 48 साल में मात्र दो सेकंड बेहतर कर पाए हैं तो 11-12 मिनट के अंतर को कैसे और कब पाट पाएंगे? शायद सौ साल भी लग जाएं। यह हाल तब है जब देश में हर साल सैकड़ों मैराथन मुकाबले आयोजित होते हैं। इन मुकाबलों में धावकों की भीड़ जुटती है। इन मुकाबलों में धावकों की भीड़ जुटती है। इन मुकाबलों में धावकों की भीड़ जुटती है